वर्ष-16, अंक-56
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

जिंदगी में सबसे बड़ा धनवान वो इंसान होता है, जो दूसरों को अपनी मुस्कुराहट देकर उनका दिल जीत लेता है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार सिटी चीफ

इंदौर, रविवार, 01 जून 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

पटना में कोरोना के चार नए केस मिले

अब कुल 21 संक्रमित, सरकारी अस्पताल में हुआ मॉक ड्रिल

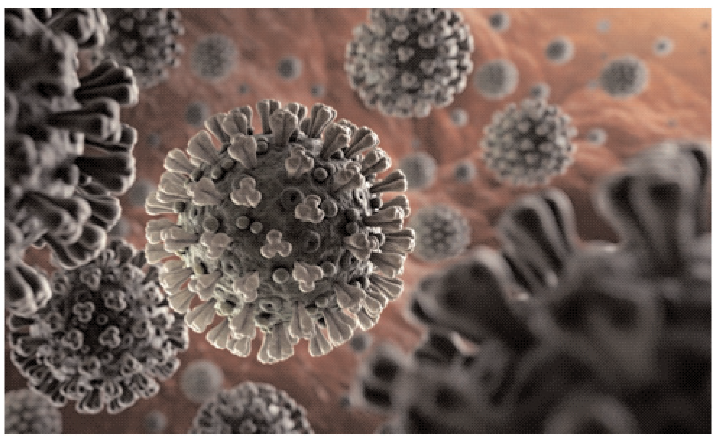

पटना, पटना में कोरोना के केस बढ़ते ही जा रहे हैं। पटना के दो बड़े अस्पताल में कोविड केस सामने आने के बाद अब चार और नए संक्रमित मरीज मिले हैं। इनमें से आईजीआईएमएस की महिला डॉक्टर भी शामिल हैं। इस तरह से कुछ संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। इससे पहले 27 व 28 मई को पटना में ही एक डॉक्टर और दो नर्स समेत छह लोग पॉजिटिव हो गए थे। संक्रमित पाए गए इन सभी में सर्दी, खांसी, बुखार जैसे लक्षण दिखे। डॉक्टरों ने इन्हें कोरोना जांच की सलाह दी। जांच करवाने पर सभी कोविड पॉजिटिव पांए गए। मामले में सिविल सर्जन डॉ. अविनाश कुमार सिंह ने लोगों से सावधान रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पैनिक न हो, कोविड गाइडलाइन का पालन करें।

इधर, कोरोना के खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने पटना के भी सरकारी अस्पतालों में एक साथ 31 मई को मॉक ड्रिल चलाया। बताया जा रहा है कि सरकारी के साथ-साथ 92 निजी अस्पतालों में कोरोना जांच की शुरू हो गई है। वहीं भी सभी अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट को दुरुस्त किया जा रहा है। पीएमसीएच आठ हजार किलोलीटर का ऑक्सीजन प्लांट लगने जा रहा है। फिलहाल अभी 1800 बेड के लिए दो हजार किलोलीटर का ऑक्सीजन प्लांट लगा हुआ है।

हर हाल सतर्कता जरूर बरतें

सिविल सर्जन ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि कोरोना की रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर पैनिक न हो। होम आइसोलेशन में रहें। आपके संपर्क में कौन-कौन लोग आएं हैं, उन्हें भी सतर्क रहने को कहें। कोविड संक्रमण को देखते हुए सतर्कता जरूर बरतें और आसपास के लोगों को भी जागरूक करें। अगर आपके घर या आसपास कोई संक्रमित हो तो उसे होम आइसोलेट कर दें।

कमजोर इम्यूनिटी के मरीज पर यादा असर

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि नए वेरिएंट का असर हल्का है। लेकिन गंभीर रोगी और कमजोर इम्यूनिटी के रोगी पर असर कर रहा है। हालांकि पटना में जिस तरह से कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं, वह डराने वाला है। हालांकि, एक्सपर्ट का कहना है कि डरने की नहीं बल्कि सावधान रहने की जरूरत है। हर हाल में कोविड गाइडलाइन का पालन करें।

19 जिलों में नए डीएम

विधानसभा चुनाव से पहले बिहार में 47 IAS अधिकारियों का ट्रांसफर

पटना, विधानसभा चुनाव 2025 से पहले बिहार में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल हुआ है। राज्य में 47 आईएएस (भारतीय प्रशासनिक सेवा) अधिकारियों का ट्रांसफर कर दिया गया है। अधिकारियों के ट्रांसफर की अधिसूचना सामान्य प्रशासन विभाग की तरफ से जारी कर दी गई है। इस अधिसूचना के बाद पटना के डीएम समेत करीब-करीब सभी जिलों के जिलाधिकारी बदल गए हैं। कुल 19 जिलों के डीएम बदले गए हैं। यहां आप सभी 19 जिलों के नए डीएम की लिस्ट देख सकते हैं।

बिहार के इन जिलों में अब नए डीएम

पटना -त्यागराजन एसएम
गया जी -शशांक शुभंकर
मुंगेर -अरविंद कुमार वर्मा
नालंदा -कुंदन कुमार
दरभंगा -कौशल कुमार
पश्चिमी चंपारण - धर्मेंद्र कुमार
मधुबनी -आनंद शर्मा
बांका -नवदीप शुक्ला
बक्सर -विद्यानंद सिंह
खगड़िया -नवीन कुमार
जमुई - नवीन
गोपालगंज -पवन कुमार सिंह
कैमूर -सुनील कुमार
सीवान -आदित्य प्रकाश
वैशाली -वर्षा सिंह
पूर्णिया -अंशुल कुमार
सहरसा -दीपेश कुमार
भागलपुर -हिमांशु कुमार राय
सुपौल -सावन कुमार

पटना के डीएम को प्रमोशन

पटना के डीएम चंद्रशेखर सिंह को प्रमोशन देते हुए पटना प्रमंडल का आयुक्त बना दिया गया है। 2010 बैच के अधिकारी डॉ. चंद्रशेखर सिंह लंबे समय से पटना डीएम के पद पर तैनात थे। डॉ. चंद्रशेखर की जगह गया के डीएम त्यागराजन एस.एम को पटना का डीएम बनाया गया है। त्यागराजन 2011 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। मुंगेर के डीएम अवनिश कुमार सिंह को मुंगेर प्रमंडल का आयुक्त बनाया गया है। राज कुमार को तिरहुत प्रमंडल का आयुक्त बनाया गया है। वह पहले कम्फेड पटना के प्रबंध निदेश के पद पर तैनात थे। इसके अलावा दरभंगा के डीएम राजीव रौशन को सारण प्रमंडल का आयुक्त, आईसीडीएस के निदेशक कोशल किशोर को दरभंगा प्रमंडल का आयुक्त बनाया गया है।

11 दिन पहले हुआ था 17 अधिकारियों का ट्रांसफर

बिहार में 11 दिन पहले ही 17 अधिकारियों का ट्रांसफर किया गया था, जिसमें 11 आईएएस और छह आईपीएस (भारतीय पुलिस सेवा) अधिकारी शामिल थे। इनके अलावा बिहार प्रशासनिक सेवा (बीएएस) के 36 अधिकारियों का भी तबादला किया गया था। आईएएस अधिकारी अनुपमा सिंह को स्वास्थ्य विभाग में संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया, जबकि गुंजन सिंह को भोजपुर का उप विकास आयुक्त (डीडीसी) और शुभम कुमार को भागलपुर का नया नगर आयुक्त बनाया गया। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया कि शैलजा पांडे को समस्तीपुर का नया डीडीसी, जबकि शिवाक्षी दीक्षित को मुंगेर का नया नगर आयुक्त बनाया गया है। गृह विभाग की ओर से जारी एक अलग अधिसूचना में कहा गया कि आईपीएस अधिकारी राजीव रंजन को राज्य अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो का पुलिस अधीक्षक (एसपी) नियुक्त किया गया है, जबकि राकेश कुमार सिन्हा को सतर्कता ब्यूरो का नया एसपी बनाया गया है। अधिसूचना के मुताबिक, पंकज कुमार आर्थिक अपराध इकाई के नये एसपी होंगे, जबकि मनीष कुमार सिन्हा अब विशेष शाखा में एसपी (सुरक्षा) की जिम्मेदारी संभालेंगे।

बिहार में 4 दिनों तक सताएगी गर्मी , चार डिग्री तक बढ़ेगा तापमान; मौसम का हाल

पटना, पटना सहित 13 जिलों में शनिवार शाम को झमाझम बारिश हुई। पटना में थोड़ी देर हुई बारिश से उमस बढ़ गई । यहां 0.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। राजधानी का अधिकतम तापमान 39 और न्यूनतम तापमान 30.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं मौसम विभाग ने रविवार को भी यहां बादल छाए रहने के साथ ही ठनका और बारिश का पूर्वानुमान जताया है।

उधर, राय के लोगों को अगले तीन-चार दिनों तक उमस भरी गर्मी सताएगी। मौसम विभाग के अनुसार चार दिनों के दौरान प्रदेश के अधिकतम तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है। प्रदेश में आर्द्रता की मात्रा 92 प्रतिशत तक रहने के कारण लोगों को उमस वाली गर्मी परेशान कर रही है।

वहीं रविवार को भागलपुर, बांका, जमुई, मुंगेर, खगड़िया, पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज जिले के एक-दो स्थानों पर ठनका और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की चेतावनी है।

अधिकतम और न्यूनतम तापमान में वृद्धि हुई

शनिवार को प्रदेश के अधिकतम और न्यूनतम तापमान में वृद्धि हुई। 39.9 डिग्री सेल्सियस के साथ गोपालगंज सबसे गर्म रहा। वहीं सबसे कम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस वाल्मीकिनगर का रहा।

मुजफ्फरपुर में कैसा रहेगा मौसम

पूसा स्थित ग्रामीण मौसम विज्ञान केंद्र के वरीय वैज्ञानिक डॉ. ए. सत्तार ने रविवार से मौसम में बदलाव की संभावना जताई है। उन्होंने कहा कि हवा की गति पुरवा से बदलकर पछुआ होने के संकेत मिल रहे हैं।

इस कारण कई जगहों पर गरज के साथ हलकी बारिश हो सकती है। जिले में पूर्वी और उत्तरी हिस्सों में इसकी संभावना अधिक है। फिलहाल अधिक तापमान से उन्होंने किसी भी तरह से राहत मिलने की संभावना से इंकार किया।

सीजफायर के मुद्दे पर प्रशांत किशोर ने विदेश मंत्री पर उठाया सवाल

कहा- वह गलत कह रहे हैं

जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने शनिवार रात पूर्वी चंपारण में भारत-पाकिस्तान तनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि जहां तक सीजफायर का जो मुद्दा है। इस मुद्दे पर मैंने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर का बयान पढ़ा। वह एक शिक्षित, सुलझे और समझदार व्यक्ति हैं। उन्होंने कहा कि सीजफायर पाकिस्तान की पहल पर हुआ। मैं सोच रहा हूं कि अगर पाकिस्तान युद्धविराम चाहता था, तो इसका मतलब है कि हमारी सेना सही काम कर रही थी कि हम पाकिस्तान को हराने में सफल हो रहे थे। तभी तो पाकिस्तान डर के मारे सीजफायर करना चाहता था। अगर पाकिस्तान सीजफायर चाहता था, तो हमने इसे क्यों स्वीकार किया? सेना को इसे दो दिन और चलने देना चाहिए था। ट्रंप महोदय अगर डपली बजा रहे हैं प्रशांत किशोर ने कहा कि अगर पाकिस्तान वाले सीजफायर नहीं चाहते थे, तो जो आप दावा कर रहे हैं, वह गलत है। देश के विदेश मंत्री ने कहा कि हमलोगों ने सीजफायर नहीं किया बल्कि पाकिस्तान की पहल पर किया गया। हालांकि ट्रंप महोदय अगर डपली बजा रहे हैं। वह कह हैं कि हमने शांति समझौता करवाया। हमने धमकाया। हमें नोबल प्राइज मिलना चाहिए। लेकिन, हम तो अपने विदेश मंत्री की बात मानेंगे। उन्होंने कहा कि सीजफायर पाकिस्तान की पहल पर किया गया। तो पाकिस्तान ने पहले क्यों की? यही तो सेना और देश के लोग कह रहे हैं कि जब पाकिस्तान पीछे हट रहा था और सीजफायर की भीख मांग रहा था, तो हमने सीजफायर क्यों किया? और, लड़ाई चलने देते। प्रशांत किशोर ने यह सब आपके सामने है, जो वह कह रहे हैं, वह गलत कह रहे हैं। इसके बाद अब घर-घर सिंदूर बांटने से कुछ फायदा नहीं होगा।

मद्य निषेध विभाग की कार्रवाई के दौरान युवक की मौत, आक्रोशित लोगों ने की आगजनी

पटना जिले के मसौढ़ी अनुमंडल अंतर्गत निसियावां गांव में मद्य निषेध विभाग की कार्रवाई के दौरान एक युवक की मौत हो गई। बताया जा रघटना की सूचना मिलते ही गांव में आक्रोश फैल गया। गुस्साए ग्रामीणों और परिजनों ने मृतक के शव को अनुमंडल चौराहे पर रखकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। लोगों ने सड़क पर आगजनी कर मद्य निषेध विभाग के खिलाफ नारेबाजी की और सड़क को पूरी तरह से जाम कर दिया।प्रदर्शन के दौरान आक्रोशित भीड़ ने मद्य निषेध विभाग की गाड़ी को आग के हवाले कर दिया। इस घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया। आगजनी और जाम के कारण यातायात बुरी तरह प्रभावित रहा और सड़क पर गाड़ियों की लंबी कतारें लग गईं।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को शांत करने और जाम हटाने की कोशिश की। हालांकि लोगों की मांग है कि मद्य निषेध विभाग की लापरवाही के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो।

CM नीतीश कुमार को प्रशांत किशोर का चैलेंज

अपने मंत्रियों का नाम बताएं, बोले- मानसिक रूप से...

पटना, बिहार में चुनावी हलचल शुरू होते ही जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है. पटना में एक सभा के दौरान प्रशांत किशोर ने कहा कि नीतीश कुमार अब मानसिक रूप से अक्षम हो चुके हैं. वे अब सिर्फ लिखी हुई स्क्रिप्ट पढ़ते हैं. इसके बावजूद बीजेपी सिर्फ सत्ता के लालच में उन्हें बिहार की 13 करोड़ जनता के ऊपर बोझ बनाकर बैठाए हुए है. उन्होंने चैलेंज किया कि नीतीश कुमार कैबिनेट मंत्रियों का नाम ही बता दें.

प्रशांत किशोर ने हाल में हुई कुछ घटनाओं का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री पर सवाल खड़े किए. उन्होंने कहा कि हाल ही में नीतीश कुमार ने राष्ट्रगान के दौरान ताली बजाई और शिक्षा विभाग के एसीएस सिद्धार्थ के सिर पर गमला रख दिया. ये घटनाएं दिखाती हैं कि वे अब मानसिक रूप से संतुलित नहीं हैं. उन्होंने सीएम को चैलेंज करते हुए कहा कि अगर नीतीश कुमार सक्षम हैं तो अपने कैबिनेट के मंत्रियों के नाम गिना दें. या फिर कम से कम उन लोगों के नाम ही बता दें जिनके सहारे वे सरकार चला रहे हैं.

भाजपा पर साधा निशाना

पीके ने कहा कि आज नीतीश कुमार की स्थिति यह हो गई है कि वे अपनी कैबिनेट को भी नहीं जानते. सरकार नौकरशाहों के सहारे चल रही है और मुख्यमंत्री की भूमिका बस नाम मात्र की रह गई है. भाजपा पर निशाना साधते हुए प्रशांत किशोर ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र किया. उन्होंने कहा कि बीजेपी ने चुनावी रणनीति के तहत यह निर्णय लिया है कि उनके कार्यकर्ता घर-घर जाकर महिलाओं को सिंदूर देंगे. इस पर तंज कसते हुए पीके ने कहा कि बीजेपी को यह बात याद रखनी चाहिए कि बिहार की महिलाएं उन्हें डंडे से पीटेंगी. उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म में महिला अपने पति से सिंदूर लेती है. किसी राजनीतिक पार्टी से नहीं.

प्रशांत किशोर चुनावी मोड में

प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार की जनता अब जाग चुकी है. उन्हें अब बहकावे में नहीं लाया जा सकता. उन्होंने जनता से अपील की कि वे ऐसे नेताओं को सत्ता से बाहर करें जो सिर्फ कुर्सी के लिए समझौता करते हैं. बिहार में आगामी चुनाव से पहले प्रशांत किशोर का यह हमला राजनीतिक तापमान को और बढ़ा सकता है. जन सुराज पार्टी लगातार राय में सक्रियता बढ़ा रही है और पीके खुद लोगों के बीच जाकर संवाद कर रहे हैं.